कुल पृष्ठ संख्या– 28 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 4115506

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

B.S.E.R. W

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	9	19	
2	5	20	
3	10	21	
4	1½	22	
5	1½	23	
6	1½	24	
7	1½	25	
8	1½	26	
9	1½	27	
10	1½	28	
11	1½	29	
12	1½	30	
13	1½	31	
14	3	योग	56
15	3	प्राप्तांकों का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	4	56	छप्पन
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर ____________

संकेतांक 3 7 2 4 9

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिए)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय रसायन विज्ञान

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक 04/03/2026

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालन अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज़ ही उपयोग में लिया गया है। 181 / 2026

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर ही अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिए। परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केल्क्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिख कर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच कर लें।
   - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	उ.1	
½	(i)	(अ) n-हेक्सेन व n-हेप्टेन का मिश्रण
½	(ii)	(द) K_2SO_4
½	(iii)	(ब) टेफ्लॉन
½	(iv)	(अ) 0
½	(v)	(अ) $\frac{1}{2}$
½	(vi)	(द) रदरफोर्डियम
½	(vii)	(स) Fe^{2+}
½	(viii)	(स) NO_2^-
½	(ix)	(ब) 4
½	(x)	(द) CH_3I
½	(xi)	(ब) फ़ॉस्जीन
½	(xii)	(अ) मेथेनॉल
½	(xiii)	(स) आइसोप्रोपिल ऐल्कोहॉल
½	(xiv)	(ब) CH_3COOH

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
½	(xv)	(द) ट्राइमेथिल ऐमीन
½	(xvi)	(स) sp^3
½	(xvii)	(द) ग्लाइकोजन
½	(xviii)	(ब) वैलीन
9	उ.2	
½	(i)	घटती
½	(ii)	$K\ kg\ mol^{-1}$
½	(iii)	बढ़ती
½	(iv)	दो
½	(v)	जिंक
½	(vi)	काइरल या ऐनेन्टियोमर समूह
½	(vii)	$CH_2=CH-CH_2-Br$
½	(viii) ~~(ix)~~	फार्मेलिन
½	(ix)	पिरामिडी
½	(x)	C
5		

BSER-I-2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ०3

(i) उपरोक्त विलयन में –
विलेय – क्लोरोफॉर्म
विलायक – नाइट्रोजन

(ii) मर्क्यूरी सेल में प्रयुक्त ऐनोड → जिंक-मर्क्यूरी अमलगम Zn(Hg)

(iii) $Ni(CO)_4$ में निकैल की ऑक्सीकरण अवस्था :-
माना, निकैल की ऑक्सीकरण अवस्था = x

$$x + 4(0) = 0$$
$$x + 0 = 0$$
$$x = 0$$

अतः निकैल की ऑक्सीकरण अवस्था शून्य है।

(iv) 'प्रचक्रण मात्र' चुंबकीय आघूर्ण ज्ञात करने का सूत्र है:-

$$\mu = \sqrt{n(n+2)}$$

यहाँ n अयुग्मित इलेक्ट्रॉनों की संख्या है।

(v) निम्न प्रचक्रण संकुल का एक उदाहरण है :- $[Ni(CN)_4]^{2-}$

(vi) S_N2 अभिक्रिया के प्रति क्रियाशीलता का क्रम त्रिविम बाधा के व्युत्क्रमानुपाती होता है। (3° < 2° < 1°)

$$CH_3-\underset{Br}{\overset{CH_3}{C}}-CH_3 < CH_3-CH_2-\underset{Br}{CH}-CH_3 < CH_3-CH_2-CH_2-CH_2-Br$$

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(vii) प्रश्नानुसार,

$CH_3-CH_2-OH \xrightarrow[573K]{Cu} X = ?$
एथिल ऐल्कोहॉल

हल:- उत्पाद (X) का नाम ⇒ एथेनैल
रासायनिक सूत्र ⇒ $CH_3-\underset{\underset{O}{||}}{C}-H$

1

(viii) डाइएजोनियम लवण का सामान्य सूत्र:- $R/Ar-\overset{+}{N_2}\overset{-}{X}$

यहाँ X = हैलोजन आयन, $B\overline{F_4}$, आदि।

1

(ix) वांछित रासायनिक समीकरण इस प्रकार है:- (आइसोसायनाइड परीक्षण)

$CH_3-NH_2 + \text{KOH} + CHCl_3 \longrightarrow CH_3-NC + 3KCl + 3H_2O$
(मेथेनेमीन) पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड क्लोरोफॉर्म (मेथिल आइसोसायनाइड)

1

(x) (A)

DNA	RNA
DNA में β-D-2-डिऑक्सीराइबोस शर्करा होती है।	RNA में β-D-राइबोस शर्करा होती है।

1

10

खण्ड-ब

उ.4 स्थिरक्वाथी मिश्रण:- ऐसे द्विघटकीय मिश्रण जिनका द्रव तथा वाष्प अवस्था में संघटन समान होता है तथा वे स्थिर ताप पर एक साथ उबलते हैं, द्विघटकीय मिश्रण

1/2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कहलाते हैं।

½ न्यूनतम क्वथनांकी स्थिरक्वाथी :- ऐसे स्थिरक्वाथी मिश्रण जो राउल्ट के नियम से धनात्मक विचलन दर्शाते हैं, न्यूनतम क्वथनांकी स्थिरक्वाथी मिश्रण कहलाते हैं।

½ उदा०- 95% एथेनॉल तथा जल का मिश्रण।

1½ उ०.5 दिया है।

NaOH का लिया हुआ द्रव्यमान, $W_2 = 16 g$

½ NaOH का मोलर द्रव्यमान, $M_2 = 40 g mol^{-1}$

विलयन का आयतन, $V_{ml} = 800 ml$

विलयन की मोलरता, $M = ?$

½ हल :- मोलरता के सूत्र से,

$$M = \frac{W_2}{M_2} \times \frac{1000}{V_{ml}}$$

½
$$M = \frac{16}{40} \times \frac{1000}{800}$$

$$M = 0.5 \, mol \, L^{-1}$$ (उत्तर)

1½ उ०.6 दिया है।

अभिक्रिया का वेग स्थिरांक, $k = 2.31 \times 10^{-13} s^{-1}$

अभिक्रिया की अर्धायु, $t_{1/2} = ?$

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

हल :-

∵ वेग स्थिरांक की इकाई से,

⇒ अभिक्रिया की कोटि, $n = 1$

प्रथम कोटि अभिक्रिया के लिए अर्धायु के सूत्र से,

$$t_{1/2} = \frac{0.693}{k}$$

$$= \frac{0.693}{2.31 \times 10^{-13}} \text{ sec}$$

$$= 3 \times 10^{12} \text{ sec}$$ (उत्तर)

1½

30.7 द्वितीय संक्रमण श्रेणी (4d) एवं तृतीय संक्रमण श्रेणी (5d) के तत्वों की त्रिज्याएँ लगभग समान होती हैं।

$$4d \approx 5d$$

इसका कारण लैन्थेनॉइड आकुंचन है। Hf तत्व से पहले लैन्थेनॉइड श्रेणी आ जाती है, जिसमें तत्वों में अंतिम इलेक्ट्रॉन 5d कक्षकों में पाने की बजाए 4f कक्षकों में जाता है। क्योंकि 4f कक्षक का परिरक्षण प्रभाव 5d कक्षक से भी दुर्बल होता है। अतः परमाणु क्रमांक बढ़ने के साथ-साथ प्रभावी नाभिकीय आवेश भी बढ़ता जाता है, परंतु परिरक्षण प्रभाव दुर्बल होता है।

1½

यही कारण है कि 5d श्रेणी के तत्वों की त्रिज्याएँ घट जाती हैं तथा 4d श्रेणी के तत्वों की त्रिज्याओं के लगभग समान हो जाती है।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उ.8

3/4 (अ) $[Co(NH_3)_5Cl]Cl_2$ ⇒ पेन्टाएमीन क्लोरिडो कोबाल्ट (III) क्लोराइड

3/4 (ब) $K_3[Al(C_2O_4)_3]$ ⇒ पोटैशियम ट्राइऑक्सेलेटो ऐलुमिनेट (III)

1½

उ.9 अष्टफलकीय क्रिस्टल क्षेत्र में d-कक्षकों के विपाटन का नामांकित चित्र :-

1½

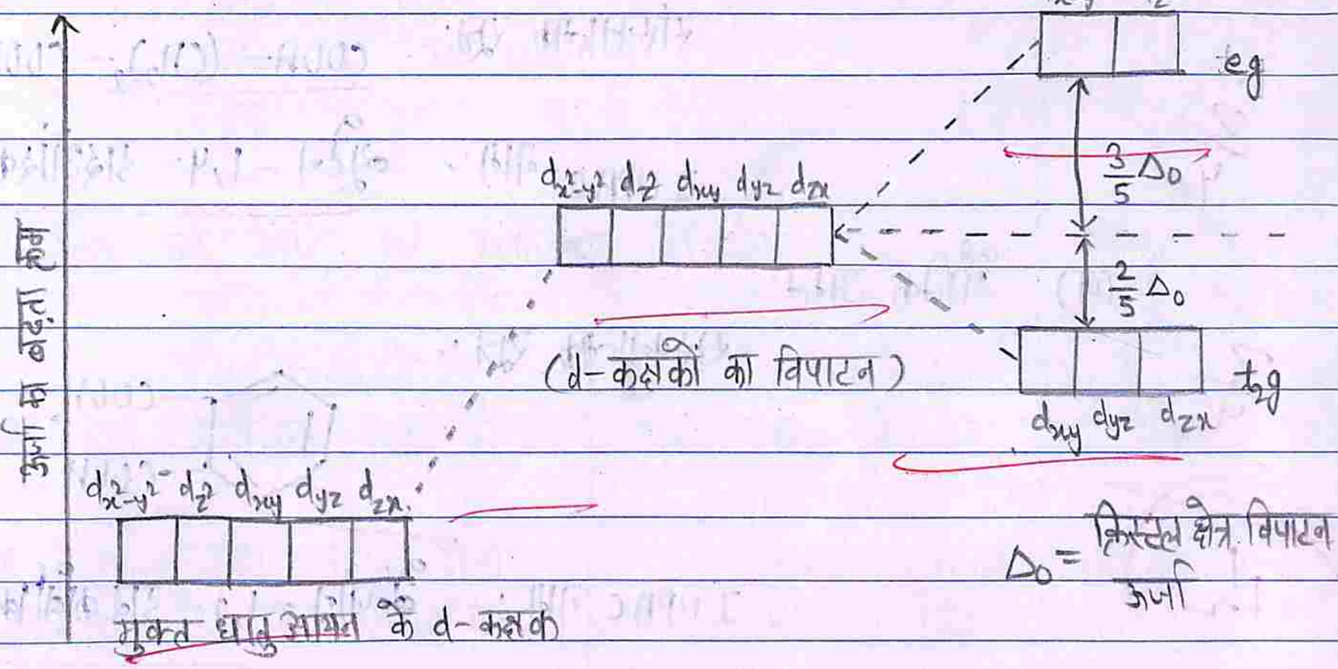

उ.10 ऐल्डिहाइड नाभिकरागी योगज अभिक्रियाओं के प्रति कीटोन से अधिक क्रियाशील निम्न कारणों से होते हैं–

(i) त्रिविम बाधा :- ऐल्डिहाइडों में कार्बोनिल समूह के दोनों ओर एक ऐल्किल समूह तथा एक हाइड्रोजन होता है, जबकि कीटोन में कार्बोनिल समूह के दोनों ओर दो ऐल्किल समूह होते हैं। अतः ऐल्डिहाइडों में अपेक्षाकृत कम त्रिविम बाधा के कारण नाभिकरागी का योग आसान हो जाता है।

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

1½

(ii) प्रेरणिक प्रभाव :- कीटोन में +I प्रभाव के कारण कार्बोनिल समूह के कार्बन पर धनावेश कम होता जाता है, जिससे नाभिकरागी का कार्बोनिल कार्बन की ओर आकर्षण नहीं हो पाता है, जबकि ऐल्डिहाइड में अपेक्षाकृत +I प्रभाव कमजोर होता है।

उ.11
(अ) सक्सीनिक अम्ल :-

3/4

संरचनात्मक सूत्र :- COOH—$(CH_2)_2$—COOH

IUPAC नाम :- ब्यूटेन-1,4-डाइओइक अम्ल।

BSER-181/2026

(ब) थैलिक अम्ल :-

3/4

संरचनात्मक सूत्र :-

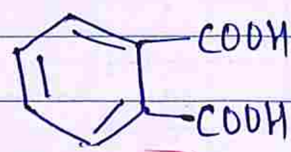

1½

IUPAC नाम :- बेन्जीन-1,2-डाइकार्बोक्सिलिक अम्ल

उ.12 ऐनिलीन की अनुनादी संरचनाएँ :-

1½

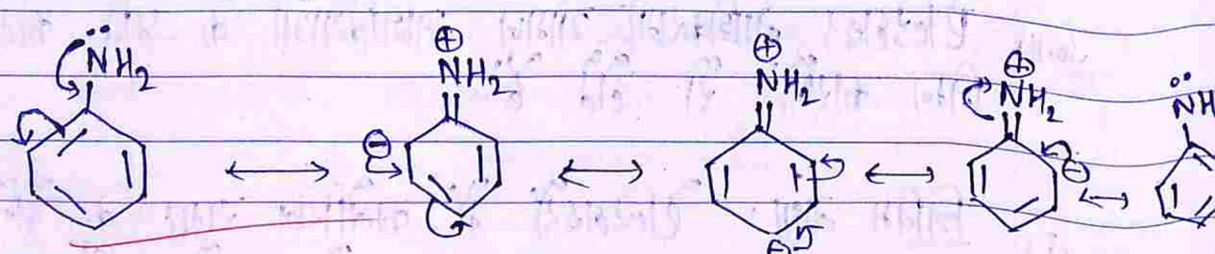

उ.13 प्रोटीन का विकृतीकरण :- जब प्राकृत प्रोटीन में भौतिक परिवर्तन जैसे - ताप में परिवर्तन तथा रासायनिक परिवर्तन जैसे - pH में परिवर्तन आदि किए जाते हैं तो हाइड्रोजन

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बंधो में अस्तव्यस्तता उत्पन्न हो जाती है, जिसके कारण गोलिका खुल जाती है और हेलिक्स अकुंडलित हो जाती है तथा प्रोटीन अपनी जैविक सक्रियता खो देता है। इसे प्रोटीन का विकृतीकरण कहते है।

इस कारण प्रोटीन की द्वितीयक तथा तृतीयक संरचनाएँ नष्ट हो जाती हैं, परंतु प्राथमिक संरचना अप्रभावित रहती है।

1½

उदा०- (i) अंडे की सफेदी का स्कंदन।
(ii) दही का जमना।

उ०.14
(अ) अभिक्रिया की कोटि एवं आण्विकता में अंतर:-

	कोटि	आण्विकता
(i)	यह एक प्रायोगिक मात्रा है।	यह एक सैध्दांतिक मात्रा है।
(ii)	यह प्राथमिक तथा जटिल दोनों अभिक्रियाओं के लिए परिभाषित है।	यह केवल प्राथमिक अभिक्रियाओं के लिए परिभाषित है।
(iii)	इसका मान शून्य, ऋणात्मक या भिन्न भी हो सकता है।	इसका मान सिर्फ धन पूर्णांक ही हो सकता है।

½ ½

(ब) शून्य कोटि अभिक्रिया के लिए समाकलित वेग समीकरण:-

शून्य कोटि अभिक्रियाओं के लिए वेग समीकरण से,

$$r \propto [R]^0$$

$$r = k$$

$$-\frac{d[R]}{dt} = k$$

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

$$d[R] = -k\,dt \quad --(i)$$

यदि $t=0$ पर $[R]=[R]_0$ तथा t समय पर $[R]$ हो तो,

समी (i) का निश्चित समाकलन करने पर,

$$\int_{[R]_0}^{[R]} d[R] = \int_0^t -k\,dt$$

$$[R]-[R]_0 = -kt$$

$$[R] = -kt + [R]_0 \quad --(ii)$$

उपरोक्त समी. (ii) ही वांछित समाकलित वेग समीकरण है।

समी (ii) का ग्राफ:-

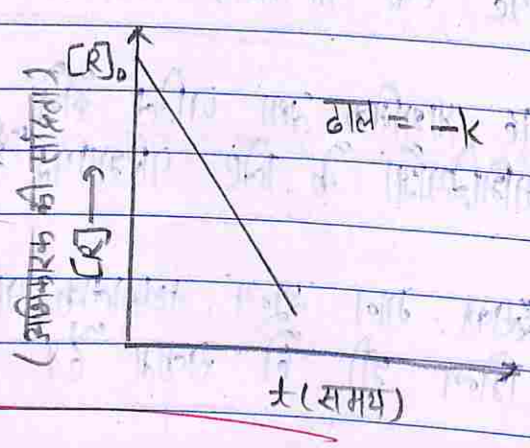

2

3

उ. 15

(अ) फिंकेलस्टाइन अभिक्रिया का रासायनिक समीकरण निम्न है:-

$$\underset{\text{(हैलोएल्केन)}}{R-X} + \underset{\text{(सोडियम आयोडाइड)}}{NaI} \xrightarrow{\text{शुष्क एसीटोन}} \underset{\substack{\text{(आयोडोएल्केन)} \\ \text{(मुख्य उत्पाद)}}}{R-I} + \underset{\text{सोडियम हैलाइड}}{NaX}$$

1

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इस अभिक्रिया में हैलोऐल्केनों की अभिक्रिया शुष्क एसीटोन की उपस्थिति में सोडियम आयोडाइड से करवाने पर आयोडोऐल्केन प्राप्त होते हैं।

(ब) हैलोऐल्केन की अभिक्रिया KCN से करवाने पर हमें उत्पाद ऐल्किल सायनाइड प्राप्त होता है क्योंकि KCN एक आयनिक यौगिक है। अतः यह ध्रुवीय विलयन में आयनित होकर K^+ तथा CN^- आयन देता है, जिससे वांछित उत्पाद प्राप्त होता है।

$$R-X + KCN \longrightarrow R-CN + KX$$

(ऐल्किल सायनाइड)

वहीं, हैलोऐल्केन की अभिक्रिया AgCN से करवाने पर उत्पाद ऐल्किल आइसोसायनाइड प्राप्त होता है क्योंकि AgCN में Ag तथा C के मध्य सहसंयोजक बंध पाया जाता है, जिसकी प्रबलता के कारण N परमाणु ही अपने इलेक्ट्रॉनों का दान कर ऐल्किल समूह से बंध बना लेता है, जिससे आइसोसाइ ऐल्किल आइसोसायनाइड प्राप्त होता है।

2

3 $$R-X + AgCN \longrightarrow R-NC + AgX$$

(ऐल्किल आइसोसायनाइड)

BSER-181/2026

उ. 16

अथवा

(अ) मेडोस्वीट से प्राप्त ऐल्डिहाइड का

नाम ⇒ सैलिसेल्डिहाइड IUPAC नाम ⇒ 2- हाइड्रॉक्सी बेन्जैल्डिहाइड

1 संरचना सूत्र →

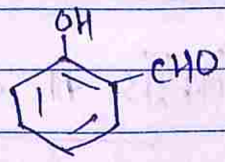

(ब) अगले पृष्ठ पर →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i)

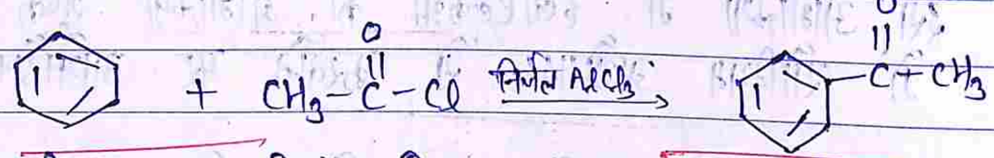

(बेन्जीन) (एथेनॉयल क्लोराइड) एसीटोफीनोन (मुख्य उत्पाद)

(ii) $CH_3-\underset{O}{\underset{\|}{C}}-OH \xrightarrow[(ii)\ H_3O^+]{(i)\ LiAlH_4/\text{ईथर}} CH_3-CH_2-OH$

(एसीटिक अम्ल) एथेनॉल (मुख्य उत्पाद)

खण्ड-द

उ०17 अथवा

(अ) सेल विभव :- जब सेल में धारा प्रवाहित नहीं होती है तो उसके इलेक्ट्रॉडों के अपचयन विभवों के अंतर को ही सैल विभव कहते हैं। इसे सेल का विद्युत वाहक बल (emf) भी कहते हैं। इसे वोल्ट में मापते हैं।

सूत्र :- $E_{cell} = E_{cathod} - E_{anode}$

(ब) मानक हाइड्रोजन इलेक्ट्रॉड का नामांकित चित्र अगले पृष्ठ पर है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

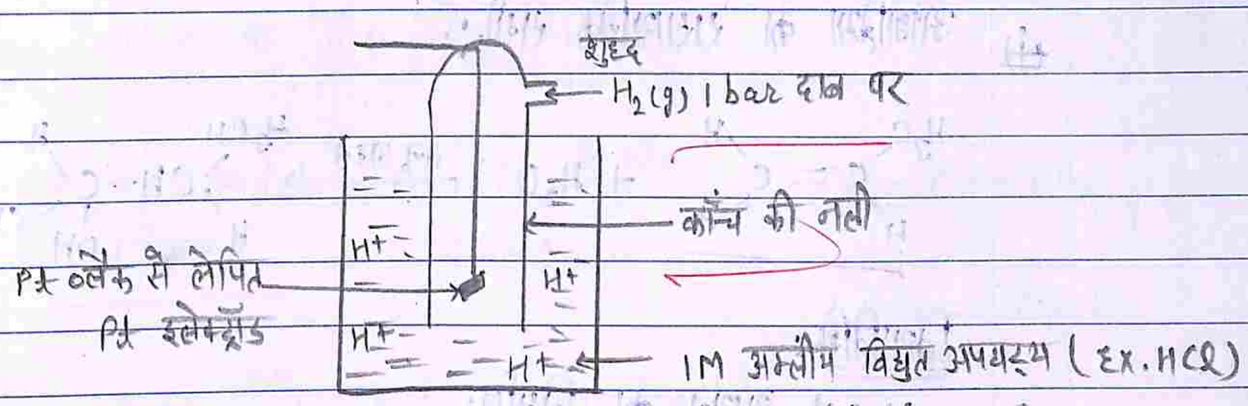

(स) दिया है।

298K पर KCl विलयन की मोलरता, M = 0.100M

KCl विलयन की चालकता, κ = 0.0129 $S cm^{-1}$

KCl विलयन की मोलर चालकता, Λ_m = ?

हल :- मोलर चालकता के सूत्र से,

$$\Lambda_m = \frac{\kappa \times 1000}{M}$$

$$\Lambda_m = \frac{0.0129 \times 1000}{0.100}$$

$$\Lambda_m = 129\ S cm^2 mol^{-1}$$ (उत्तर)

उ०18

(अ) सरल ईथर का उदाहरण है :- मेथॉक्सीमेथेन ⟹ CH_3-O-CH_3

(ब) प्रोपीन के अम्ल उत्प्रेरित जलयोजन की क्रियाविधि :-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) अभिक्रिया का रासायनिक समी.:-

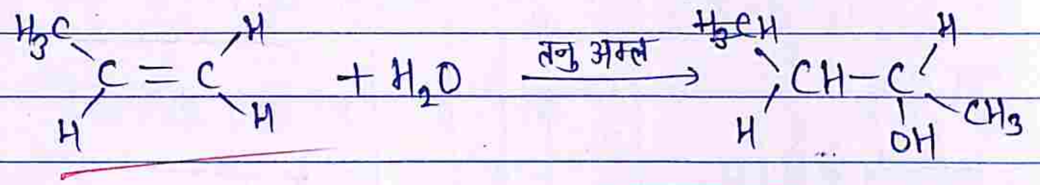

क्रियाविधि :-

(i) H_3O^+ आयन का निर्माण:-

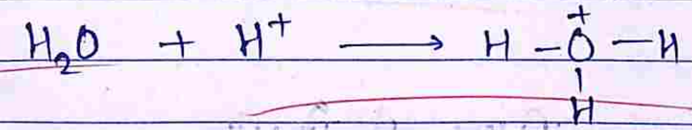

(ii) ऐल्कीन का प्रोटॉनीकरण एव कार्बधनायन का निर्माण:-

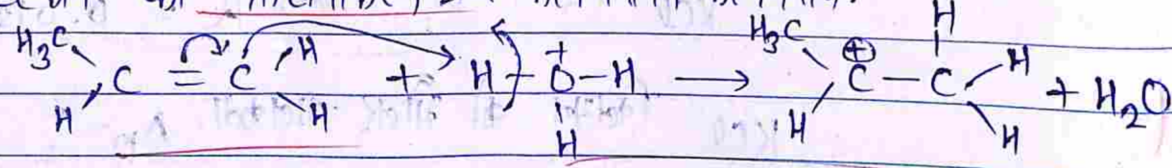

(iii) H_2O अणु का नाभिकरागी आक्रमण:-

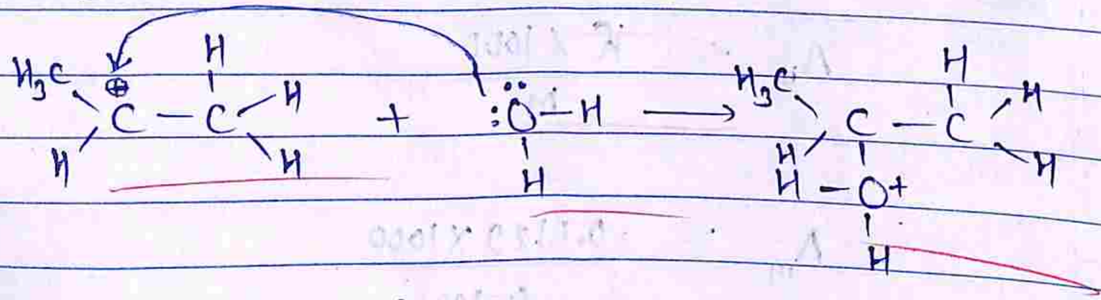

(iv) विप्रोटॉनीकरण से ऐल्कोहॉल का बनना:-

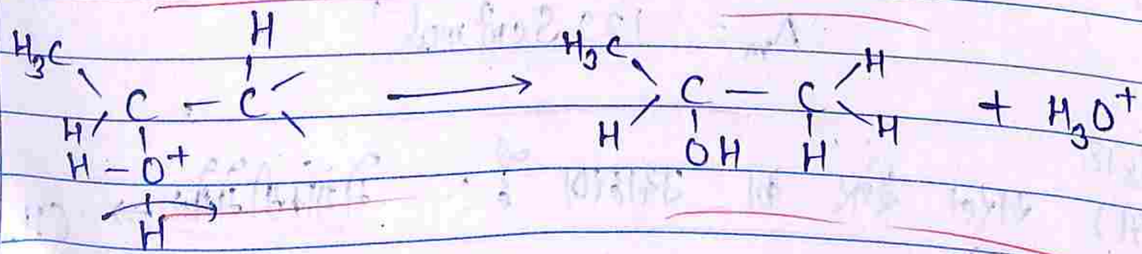

अतः इस प्रकार हमें उत्पाद के रूप में ऐल्कोहॉल प्राप्त होता है। ऐल्कोहॉल का नाम - (प्रोपेन-2-ऑल)

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर. संक्षेप में, प्रोपीन का अम्ल उत्प्रेरित जलयोजन :-

$$\underset{\text{(प्रोपीन)}}{CH_3-CH=CH_2} + \underset{\text{(जल)}}{H_2O} \xrightarrow{\text{तनु अम्ल}} \underset{\text{(प्रोपेन-2-ऑल)}}{CH_3-\underset{OH}{\underset{|}{CH}}-CH_3}$$

वांछित उत्पाद प्रोपेन-2-ऑल प्राप्त होता है।

समाप्त

4

56/56

17/3/2026

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-181/2026

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

25

R-COONa

CH_3COONa

$+ NaOH$ → $CH_4 + Na_2CO_3 + H_2O$

→ R-H

$\frac{0.693}{2.310 \times 10^{-13}}$ $\frac{3}{10^{-12}}$ 3×10^{12}

0.3

$\frac{0.0129 \times 10000}{0.1}$

$2CH_3COONa + H_2O$ → $CH_3-CH_3 + 2NaOH + 2CO_2 + H_2$

$\overset{\oplus}{C} = \overset{\ominus}{C}$ + H^+ $H-\overset{H}{O}-H$

$CH_3-CH(OH)-CH_3$

$Ni(CN)_4^{2-}$ Ni^{2+}

$\frac{4}{40} \times \frac{1000}{800} = 0.1$

$\frac{0.693}{2.31 \times 10^{-13}}$

0.231×10^{-12}

BSER-181/2026